THE DEPUTY CHAIRMAN: Saralaji, you should have started talking about the beating of the 13-year old boy. We are not discussing about the policies of the country. So, please come back to the subject. If you like to discuss the policy, we will have another discussion.

श्रीमती सरला माहेश्वरी: समाज का अपराधीकरण किस तरह से हो जाता है, मैं उसी पर बोल रही हूं।

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: ऐसा नहीं होता है जैसा आप बोल रही हैं। पश्चिमी बंगाल में कितना अपराधीकरण है, यह हमें मत सिखाइये **(व्यावधान)**

श्री मोहम्मद सलीम: यह **(व्यावधान)** आपको मालूम होना चाहिये। **(व्यावधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: You should speak on the Special Mention.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: Madam, I am speaking, but they do not allow me to speak.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You come to the point or I am calling another person.

SHRIMATI SARLA MAHESHWARI: Madam, I am coming to the point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, You are not.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI: Madam, I am coming to the point.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, you are not.

RE. BEATING OF A THIRTEEN YEARS AND A FIFTEEN YEARS OLD BOY IN DELHI

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): मैंने आपसे यह कहा कि समाज का अपराधीकरण हो रहा है और किस तरह मामूली सी राजनैतिक सत्ता आने पर सामाजिक अपराध बढ़ते जा रहे हैं और राजनैतिक अपराधीकरण हो रहा है। मैं इस बात की ओर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहती हूं कि राजधानी दिल्ली में किस तरह से समाज में बढ़ती हुई हिंसा, समाज में बढ़ते हुए अपराध हमारे देश के मासूम बच्चों को भी अपने क्रूर, दानवी और बर्बर हिंसा के पंजे में जकड़ता जा रहा है। उपसभापति महोदया, यह घटना दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके की है। यह कितनी हृदयविदारक घटना है, इस ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगी। हम लोग राजधानी में बैठे हुए हैं। इस राजधानी में मानवीय अधिकारों को किस तरह से तोड़ेने और पैरों के तले रौंदने का काम हो रहा है। उन लोगों के द्वारा जो अपने आप को राजनैतिज्ञ कहते हैं। उपसभापति महोदया, घटना इस प्रकार की है। दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में दो स्कूली बच्चे 13 और 15 साल के दो बच्चे एक लाट्री की दुकान के पास खड़े थे। उन दोनों बच्चों को एक विधायक के तथाकथित भतीजे ने उठाया और ले जाकर घर में बंद कर दिया और लागातार तीन दिनों तक इन मासूम बच्चों को गर्म लोहे की सलाखों से दागा गया, गर्म मोम बत्तियों से दागा गया। उसके बाद उनको उल्टा करके उनके ऊपर ठंडा पानी गिराया गया और दोनों बच्चों के एक-एक हाथ और एक-एक पांव तोड़ दिये गये और उन बच्चों को बेहोशी की हालत में, जो कि बुरी तरह जख्मी थे, रेल की पटरी पर ले जाकर छोड़ दिया गया। उन बच्चों के मां-बाप और रिश्तेदार परेशान होकर घूमते रहे कि हमारे बच्चे कहां होंगे, हमारे बच्चे कहां होंगे। जब ये उन्हें मिले तो वे दोनों बच्चों को लेकर थाने गये। वहां पुलिस का क्या बर्ताव रहा? पुलिस ने जो केस दर्ज किया वह मामूली रूप से जख्मी होने का केस दर्ज किया। वे बच्चे बोल नहीं पा रहे थे, पूरी तरह बेहोशी की हालत में थे और पुलिस ने केस दर्ज किया कि मामूली चोटें आयी हैं और आज तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। उपसभापति महोदया, यह हमारे लिये बड़े शर्म की बात है। क्या हम अपने आपको अधिकारी समझें, क्या हम सदन में बैठने के अधिकारी हैं? अगर इस तरह से मानव अधिकारों के साथ सलूक किया जायेगा तो उपसभापति महोदया, मैं आपसे निवेदन करूंगी कि अगर इस तरह की घटनायें राजधानी में घटती रहेंगी तो अन्य स्थानों पर क्या हालत होगी? मैं आपसे कहना चाहती हूं कि इस बारे में गृह मंत्री जी का सदन में बयान आना चाहिये कि कौन सा ऐसा राजनैतिक है, कौन ऐसा विधायक है, कौन ऐसा भतीजा है जिसे इतने अधिकार मिल गये। अगर बच्चों ने कोई चोरी भी कर दी थी तो उनको वे पुलिस के हवाले कर सकते थे। अगर 13-15 साल के बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जायेगा, एक तरफ तो बच्चे खुद हिंसा के शिकार होते हैं और दूसरी तरफ हमारा दूरदर्शन जो कुछ प्रचारित कर रहा है उसको देखकर हिंसा का माहोल बन रहा है। अभी दो दिन पहले आपने

देखा होगा कि किस तरह से दूरदर्शन के एक सीरियल को देखकर बच्चे हत्या करने के लिये चले गये। समाज में इस तरह से बढ़ता हुआ अपराधीकरण हमारे बच्चों को कहां ले जायेगा, इस ओर मैं बार बार ध्यान दिलाती रहती हूं।

THE DEPUTY CHAIRMAN : It is a serious matter. I think the whole House associates with it.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : यह बहुत ही गंभीर घटना है **(व्यवधान)**

उपसभापति : यह बात पहले कह देती तो यह बात 15 मिनट पहले हो जाती।

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat) : It is the effect of the television on the Children.

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया (बिहार) : मैडम, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात है, बड़ी शर्म की बात है जो इस तरह से ऐसी घटना घटी है। उस एम॰एल॰ए॰ के खिलाफ या उसके भतीजे के खिलाफ और वहां के जो पुलिस आफिसर है, जिन्होंने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए और गृह मंत्री जी सदन को बतायें कि इस पर क्या कार्यवाही की गयी है।

उपसभापति : गृह मंत्री जी हैं।

श्री राम नरेश यादव : यह बड़े शर्म की बात है और इसकी जितनी निन्दा की जाये वह कम है।

गृह मंत्रालय में उप मंत्री (श्री राम लाल राही) : जो जानकारी अभी माननीय सदस्या ने दी है, उसको मैं दिखवाऊंगा और पता लगाऊंगा और जिन लोगों ने अपराध किया है उन पर कार्यवाही की जायेगी।

श्री राम नरेश यादव : सदन को अवगत कराना चाहिए जो सारी घटना हुई है। जो कार्यवाही हुई है उससे सदन को अवगत भी कराना चाहिए।

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया : यही बात पहले कहनी चाहिए थी।

RE. TABLING OF JAIN AND AGGARWAL COMMISSION OF INQUIRY REPORT ON 1984 RIOTS

श्री बलवीर सिंह (पंजाब) : मैं आपके माध्यम से जो कुम्भकर्ण की नींद सो रही है यह सरकार उसको जगाना चाहता हूं। पिछले सेशन में इस हाउस में मिनिस्टर आफ स्टेट आफ होम अफेयर्स ने एश्योरेंस दिया था कि 1984 के रायट्स की जो जैन एण्ड अग्रवाल रिपोर्ट है इस विन्टर सेशन में वह पेश की जाएगी। 24 तारीख को यह सेशन खत्म होने वाला है। अभी तक सरकार के कान पर जूं नहीं रेंगी है। मैंने उस वक्त भी कहा था, आज भी दोहरा रहा हूं कि इस बात से शक होता है सरकार की नीयत पर। मैं आपके माध्यम से यह मामला एश्योरेंस कमेटी को सौंपने की सिफारिश करूंगा। मेरा इस सरकार से कहना है कि हाउस के अंदर और बाहर होम मिनिस्टर ने बार-बार कहा है कि 1984 के दंगों के जो कलप्रिट हैं, दोषी हैं उनको सख्त से सख्त सजा दिलावायेंगे। आज मैं दिल्ली के चीफ मिनिस्टर का जो बयान है उसका स्वागत करता हूं। यह उम्मीद करता हूं कि उनका बयान भी होम मिनिस्टर के बयान की तरह खोखला न हो। मैं यह बात कहना चाहता हूं कि जो इलेक्शन्स हुए हैं जो कांग्रेस की बुरी हालत हुई है दिल्ली में उसकी वजह इस सरकार का 1984 के रायट्स के लिए इनएक्शन है। यह बड़े शर्म की बात है और पेपर्स में इंडीकेशन आ रहे हैं कि जो लोग इन्डिक्टेड हैं, दोषी हैं उनको प्लम पोस्ट्स, गवर्नरशिप और दूसरी पोस्टें देने के वादे हो रहे हैं। मैं आपके माध्यम से चाहता हूं कि वह रिपोर्ट जल्द से जल्द यहां पेश की जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम-निर्देशित) : मैं इसके साथ एसोसिएट करता हूं मैडम। यह बिल्कुल होना चाहिए।

श्री जागीर सिंह दर्द (पंजाब) : मैं भी इसके साथ एसोसिएट करता हूं।

SPECIAL MENTION

Need to Provide Proper facilities to the Pilgrims of Kailash and Mansarover in Tibet

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh) : Madam Deputy Chairman, between 1978-81 due to my personal efforts, the Chinese Government had allowed Hindu pilgrims to make a visit to Kailash Mansarover area which is in Tibet. This process began in 1981 when I myself led the first group of pilgrims to that area.